समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, चतुर्थ सत्र

नाटक तथा नाट्यशास्त्र (MSKTC 402) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्नलगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 नाटककार शूद्रक के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 मृच्छकटिक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 3 मृच्छकटिक में वर्णित सामाजिक स्थिति की समीक्षा कीजिए ।

प्र. 4 मृच्छकटिक के नायक चारुदत्त के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 मृच्छकटिक की कथावस्तु का नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से विवेचना कीजिए ।

प्र. 2 मृच्छकटिक में वर्णित निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यों की व्याख्या कीजिए-
1.23, 4.14, 5.6, 6.11 ।

प्र. 3 नाटक के लक्षण पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 4 आमुख क्या है? उनके भेदों की विवेचना कीजिए ।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 अर्थोपक्षेपक का स्वरूप निर्धारण करते हुए विभिन्न अर्थोपक्षेपक पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 3 अभिनय से आप क्या समझते है? चतुर्विध अभिनय का विवेचन कीजिए ।

प्र. 4 अर्थप्रकृतियों का स्वरूप निर्धारण करते हुए विभिन्न अर्थप्रकृतियों पर प्रकाश डालिए ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत चतुर्थ सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....